gradeup

जीके एवं विज्ञान की PDF

मुद्रास्फीति- इसके प्रकार, प्रभाव और उपाय

मुद्रास्फीति- इसके प्रकार, प्रभाव और उपाय

मुद्रास्फीति क्या है?

- माल और सेवाओं के मूल्य में सामान्य वृद्धि होना|
- इसका अनुमान समय अवधि के संदर्भ में कीमत सूचकांक में परिवर्तन की प्रतिशत दर के रूप में लगाया गया है।
- वर्तमान में भारत में मुद्रास्फ़ीति दर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक-संयुक्त (आधार वर्ष -2012) की सहायता से मापी जाती है।
- अप्रैल 2014 तक मुद्रास्फीति दर को थोक मूल्य सूचकांक की सहायता से मापा गया था।
- मुद्रास्फीति की दर==(वर्तमान मूल्य सूचकांक-संदर्भ अवधि मूल्य सूचकांक)/(संदर्भ अवधि मूल्य सूचकांक)×100

मुद्रास्फीति के प्रकार

A. मुद्रास्फीति में वृद्धि की दर के आधार पर

1. **क्रीपिंग इंफ्लेशन-**
- बहुत कम दर पर मूल्य वृद्धि (<3%)
- यह अर्थव्यवस्था के लिए सुरक्षित और आवश्यक मानी जाती है।

2. **वॉकिंग या ट्रोटिंग इंफ्लेशन-**
- मध्यम दर पर मूल्य वृद्धि (3% <मुद्रास्फीति <10%)
- इस दर पर मुद्रास्फीति अर्थव्यवस्था के लिए चेतावनी का संकेत है।

3. **रनिंग मुद्रास्फीति-**
- उच्च दर पर मूल्य वृद्धि (10% <मुद्रास्फीति <20%)
- यह अर्थव्यवस्था को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करती है।

4. **हाइपर इंफ्लेशन या गैलोपिंग मुद्रास्फीति या रनवे मुद्रास्फीति-**
- बहुत अधिक दर पर मूल्य वृद्धि (20% <मुद्रास्फीति <100%)
- इस स्थिति में अर्थव्यवस्था का पतन हो जाता है।

B. कारणों के आधार पर

1. **मांग जन्य मुद्रास्फीति(डिमांड पुल इंफ्लेशन)-**
- सीमित आपूर्ति के समय माल और सेवाओं की अधिक मांग के कारण पैदा होने वाली मुद्रास्फीति।

2. **लागत जन्य मुद्रास्फीति(कॉस्ट पुश इंफ्लेशन)-**
- सीमित आपूर्ति के समय अधिक वस्तुओं और सेवाओं के लिए उच्च इनपुट लागत (उदाहरण- कच्चा माल, वेतन इत्यादि) के कारण पैदा होने वाली मुद्रास्फीति।

अन्य परिभाषाएं

1. **अवस्फीति(डेफलेशन)-**
- यह मुद्रास्फीति के विपरीत है।
- अर्थव्यवस्था में कीमत में सामान्य स्तर की कमी।
- इस मूल्य सूचकांक में मापन नकारात्मक है।

2. **मुद्रास्फीतिजनित मंदी(स्टैगफ्लेशन)-**
- जब अर्थव्यवस्था में स्थिरता और मुद्रास्फीति मौजूद रहती है।

स्टैगफ्लेशन- कम राष्ट्रीय आय वृद्धि और उच्च बेरोजगारी

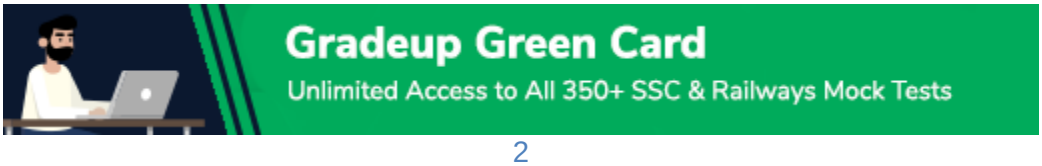

3. **विस्फीति(डिसइंफ्लेशन)-**

● जब मुद्रास्फीति की दर धीमी होती है।

उदाहरण:

अगर पिछले महीने की मुद्रास्फीति 4% थी और चालू माह में मुद्रास्फीति की दर 3% थी।

4. **प्रत्यवस्फीति(रीफ्लेशन)-**

● मुद्रास्फीति की स्थिति से अर्थव्यवस्था को पुन: पाने के लिए मुद्रास्फीति की दर को बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा जानबूझकर की गयी कार्रवाई |

5. **कोर मुद्रास्फीति-**

● यह कुछ उत्पादों की कीमत में वृद्धि को छोड़कर अर्थव्यवस्था में मूल्य वृद्धि के उपायों (जिनकी कीमत अस्थिर है और अस्थायी है) पर ज्ञात की जाती है।

<u>मुद्रास्फीति के प्रभाव</u>

1. **आय और धन का पुनर्वितरण-**

● मुद्रास्फीति के प्रभाव के कारण लोगों के कुछ समूह को हानि और दूसरे समूह को लाभ होता है।

उदाहरण-

A. देनदार और लेनदारों के मामले में-

देनदार- लाभप्रद

लेनदार- हानिप्रद

B. निर्माता और उपभोक्ताओं के मामले में

निर्माता- लाभप्रद

उपभोक्ता- हानिप्रद

2. **उत्पादन और उपभोग पर प्रभाव-**

● मुद्रास्फ़ीति के कारण मांग कम हो जाती है जो उत्पादन को भी कम कर देती है।

● लोग कम सेवाओं का उपयोग करने की कोशिश करते हैं जिससे खपत में कमी आती हैं।

3. **भुगतान के प्रतिकूल संतुलन-**

● अन्य देशों से निर्यात कम होता है और आयात बढ़ता है जिससे संचित विदेशी मुद्रा में कमी आती है।

<u>मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने के उपाय</u>

1. **उधार नियंत्रण-**

● यह आरबीआई द्वारा उपयोग की जाती है।

2. **प्रत्यक्ष करों में वृद्धि-**

● इसके कारण लोगों के पास कम धन उपलब्ध होता है और उनके द्वारा कम मांग के कारण कीमत कम हो जाती है।

3. **मूल्य नियंत्रण-**

● अधिकारियों द्वारा अधिकतम मूल्य सीमा तय करके

4. **व्यापार मापन-**

● माल और सेवाओं के निर्यात और आयात द्वारा अर्थव्यवस्था में उचित आपूर्ति बनाकर

gradeup

Gradeup Green Card

Features:

- 350+ Full-Length Mocks
- 30+SSC & Railways Exams Covered
- Tests Available in English & Hindi
- Performance Analysis & All India Rank
- Previous Year Question Papers in Mock Format
- Available on Mobile & Desktop

GET IT ON Google Play

www.gradeup.co